हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 20 Mar 2024 - Page 1

इनोवेशन एंड एक्वीजीशन-आइपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स पर संगोष्ठी

बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता जरूरी : प्रोफेसर सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आइपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को इस पर शोध करने और नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान किया। वे आइपीआर सेल और विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन एंड एक्वीजीशन-आइपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं।

गोहना। कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुदेश। फोटो : हरिभूमि

फोटो :हरिभूमि

उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है।

रिसोर्स पर्सन एमडीयू रोहतक से सेंटर फार आइपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डा. राहुल तनेजा, डा. सीमा दहिया, डा. प्रमोद मलिक, डा. अलका भारती मौजूद रहे।

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Sonipat - 20 Mar 2024 - Page 3

विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया

■ सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों और तकनीकों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कार्य विभाग में विश्व सामाजिक कार्य दिवस कार्यक्रम में प्रतिभागी।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग द्वारा विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम के लिए आयोजक टीम को शुभकामनाएं दी। समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, एसएचजी समूहों के साथ कैसे काम करें और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें संबंधी की जानकारी दी गई। डॉ. दीपाली माथुर ने सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों और तकनीकों के बारे में बताया। डॉ. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी और स्वदेशी ज्ञान का उपयोग करके समुदाय से जुड़ने की बात कही। सोहनलाल ने समुदाय में बदलाव लाने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर प्रकाश डाला। लुसी ने सामुदायिक संसाधन केंद्र के उपयोग की जानकारी दी। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

उद्यमिता के जरिए ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखें : प्रो. सुदेश

गोहाना मुद्रिका, 19 मार्च : मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखें । वह आई.पी.आर. सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इनोवेशन एंड एक्वीजीशन: आई.पी.आर. रेजिमे एंड एमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं।

प्रो. सुदेश ने कहा कि ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है। वी.सी. ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों का सही प्रयोग कर विद्यार्थी अपने शोध और रचनाओं को सुरक्षित कर सकते हैं।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स पर्सन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभागाध्यक्ष और सेंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने शिरकत की। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय के डॉ. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर चर्चा की।

विधि विभाग की अध्यक्ष डॉ सीमा दहिया ने संगोष्ठी को प्रारंभ किया। कन्वीनर डॉ. प्रमोद मलिक ने कार्यक्रम की विषय वस्तु की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अलका भारती द्वारा किया गया। विभाग की छात्रा रुपल ने मंच संचालन किया।

बीपीएसएमवी में विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग द्वारा विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो सुदेश ने इस कार्यक्रम के लिए आयोजक टीम को शुभकामनाएं दी।

समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, एसएचजी समूहों के साथ कैसे काम करें और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें, आदि की जानकारी दी।

डॉ. दीपाली माथुर ने सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों और तकनीकों के बारे में बताया। डॉ. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी और स्वदेशी ज्ञान का उपयोग करके समुदाय से जुड़ने की बात कही। सोहनलाल ने समुदाय में बदलाव लाने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर प्रकाश डाला। लुसी ने सामुदायिक संसाधन केंद्र के उपयोग की जानकारी दी।

बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता जरूरी: कुलपति प्रो. सुदेश

खानपुर कलां, चेतना संवाददाता। बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने मंगलवार को आईपीआर सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित - इनोवेशन एंड एक्वीजीशन- आईपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया तैयार है।

कुलपति प्रो. सुदेश ने इस संगोष्ठी आयोजन की सराहना करते हुए आयोजक टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी और कहा कि इससे विद्यार्थियों को आईपीआर को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों का सही प्रयोग कर विद्यार्थी अपने शोध व रचनाओं को सुरक्षित कर सकते हैं।

बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है: कुलपति प्रो. सुदेश

खानपुर कलां (ऋषि की आवाज)। बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने मंगलवार को आईपीआर सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित - इनोवेशन एंड एक्वीजीशनरू आईपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

में किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया तैयार है।

पंजाब केसरी
WED,20 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

विश्व सामाजिक दिवस पर चर्चा करते हुए प्राध्यापक और छात्राएं। (अरोड़ा)

शैड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रहा सामाजिक दिवस का थीम

गोहाना, 19 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा मंगलवार को विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया।

समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम का थीम शैड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रहा। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, एस.एच.जी. समूहों के साथ कैसे काम करें और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें, आदि की जानकारी दी।

डा. दीपाली माथुर ने सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों और तकनीकों के बारे में बताया। डा. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी और स्वदेशी ज्ञान का उपयोग करके समुदाय से जुड़ने की बात कही। सोहनलाल ने समुदाय में बदलाव लाने में कार्यकर्त्ता की भूमिका पर प्रकाश डाला।

लूसी ने सामुदायिक संसाधन केंद्र के उपयोग की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने भी विकास के लिए बदलाव संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए।

पंजाब केसरी
WED,20 MARCH 2024
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

उद्यमिता के जरिए ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखें : सुदेश

गोहाना, 19 मार्च (अरोड़ा): मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय की वी.सी. प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.) पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखें। वह आई.पी.आर. सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इनोवेशन एंड एक्वीजीशन: आई.पी.आर. रेजिमे एंड एमर्जिंग ट्रैंड्स विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं।

प्रो. सुदेश ने कहा कि ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है। वी.सी. ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों का सही प्रयोग कर विद्यार्थी अपने शोध और रचनाओं को सुरक्षित कर सकते हैं।

हरियाणा स्टेट काऊंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स पर्सन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभागाध्यक्ष और सैंटर फॉर आई.पी.आर. स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने शिरकत की। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राज्य सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय के डा. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर चर्चा की।

विधि विभाग की अध्यक्ष डा. सीमा दहिया ने संगोष्ठी को प्रारंभ किया। कन्वीनर डा. प्रमोद मलिक ने कार्यक्रम की विषय वस्तु की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन डा. अलका भारती द्वारा किया गया। विभाग की छात्रा रुपल ने मंच संचालन किया।

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी -कुलपति

उजाला आज तक

गोहाना, (रामनिवास धीमान) कलां बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान गोहाना के गाँव खानपुर स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आज आईपीआर सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित - इनोवेशन एंड एक्वीजीशनः आईपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा

अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया तैयार है। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स पर्सन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभागाध्यक्ष व सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने शिरकत की।

उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों बारे विस्तार से जानकारी दी और आईपीआर नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। वक्ता डॉ राहुल तनेजा (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय, हरियाणा सरकार) ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की।विभाग की छात्रा रुपल ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष डॉ सीमा दहिया, कन्वीनर डॉ प्रमोद मलिक डॉ. अलका भारती, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

समुदाय में बदलाव लाने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर डाला प्रकाश

उजाला आज तक

गोहाना (रामनिवास धीमान) गाँव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो सुदेश ने इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि सिरकत की । समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, एसएचजी समूहों के साथ कैसे काम करें और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें, आदि की जानकारी दी।डॉ. दीपाली माथुर ने सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों और तकनीकों के बारे में बताया। डॉ. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी और स्वदेशी ज्ञान का उपयोग करके समुदाय से जुड़ने की बात कही। सोहनलाल ने समुदाय में बदलाव लाने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर प्रकाश डाला। लुसी ने सामुदायिक संसाधन केंद्र के उपयोग की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने भी विकास के लिए बदलाव संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व सामाजिक कार्य दिवस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागी।

विश्व सामाजिक कार्य दिवस कार्यक्रम आयोजित

गोहाना, 19 मार्च (रामनिवास धीमान): गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो. सुदेश ने इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
20-Mar-2024
Page: 10
http://www.ajitsamachar.com/20240320/27/10/1_1.cms

बौद्धिक सम्पदा अधिकार बारे जागरूकता ज़रूरी : कुलपति

आईपीआर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश।

गोहाना, 19 मार्च (रामनिवास धीमान): कलां बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान गोहाना के गांव खानपुर स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने आज आईपीआर सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित- इनोवेशन एंड एक्वीजीशन: आईपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया तैयार है। हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स पर्सन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभागाध्यक्ष व सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने शिरकत की। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों बारे विस्तार से जानकारी दी और आईपीआर नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। वक्ता डॉ. राहुल तनेजा (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय, हरियाणा सरकार) ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। विभाग की छात्रा रुपल ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया, कन्वीनर डॉ. प्रमोद मलिक डॉ. अलका भारती, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
20-Mar-2024
Page: 9
http://www.ajitsamachar.com/20240320/27/9/1_1.cms

बीपीएस महिला विवि में राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ आयोजन

'अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए देश पूर्णतया तैयार'

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार की जागरूकता बेहद जरूरी है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है।

वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया

संबोधित करती कुलपति प्रो. सुदेश।

तैयार है। वह महिला विवि में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन एंड एक्जीबीशन : आईपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रही थी।

प्रो. सुदेश ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान किया। इसके बाद महर्षि दयानंद विवि से प्रो. हरीश दुरेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकारों की जानकारी दी और नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। वहीं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय से डॉ. राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर चर्चा की। इस मौके पर विधि विभाग की अध्यक्षा डॉ. सीमा दहिया, संगोष्ठी के कन्वीनर डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. अलका भारती, छात्रा रुपल आदि मौजूद रहे।

बौद्धिक संपदा अधिकार के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी : प्रो. सुदेश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आइपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को इस पर शोध करने और नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान किया। वे आइपीआर सेल और विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इनोवेशन एंड एक्वीजीशन-आइपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं।

कुलपति प्रो. सुदेश

उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार है। रिसोर्स पर्सन एमडीयू रोहतक से सेंटर फार आइपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डा. राहुल तनेजा, डा. सीमा दहिया, डा. प्रमोद मलिक, डा. अलका भारती मौजूद रहे।

सामाजिक कार्य दिवस पर संगोष्ठी आयोजित : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर संगोष्ठी की गई। विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पंवार के अनुसार संगोष्ठी का विषय शेड फ्यूचर फार ट्रांसफारमेटिव चेंज रहा। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, स्वयं सहायता समूह के साथ कैसे काम करें और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें आदि की जानकारी दी।

छात्राओं को सामाजिक कार्यों से करवाया अवगत

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की तरफ से विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश रहीं। समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, एसएचजी समूहों के साथ कैसे काम करें व सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग कर समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें की जानकारी दी। डॉ. दीपाली माथुर ने सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों व तकनीकों के बारे में बताया। डॉ. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी व स्वदेशी ज्ञान का उपयोग कर समुदाय से जुड़ने की बात कही। संवाद

छात्राओं को सीमित संसाधनों का उपयोग करने की दी जानकारी

गोहाना | बीपीएस महिला विवि में समाज कार्य विभाग द्वारा विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार के अनुसार कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। छात्राओं को सीमित संसाधनों का उपयोग, एसएचजी समूहों के साथ काम करने और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास करने की जानकारी दी। डॉ दीपाली माथुर ने सामाजिव कार्यों में प्रयोग होने वाले तरीकों के बारे में बताया। डॉ. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी व स्वदेशी ज्ञान का उपयोग करके समुदाय से जुड़ने की बात कही। वहीं सोहनलाल ने समुदाय में बदलाव लाने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका और सामुदायिव संसाधन केंद्र के उपयोग पर प्रकाश डाला।

ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की रखें नींव : प्रो. सुदेश

बीपीएस महिला विवि में नवीनीकरण और सक्रियता : आईपीआर का आकार और उभरते रुझान विषय पर संगोष्ठी आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में मंगलवार को आईपीआर सेल व विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नवीनीकरण और सक्रियता : आईपीआर का आकार और उभरते रुझान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध और इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान किया।

बीपीएस महिला विवि में संगोष्ठी में संबोधित करतीं कुलपति प्रो. सुदेश। स्रोत : विवि

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया तैयार है।

हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी परिषद की तरफ से आयोजित इस संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स पर्सन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के फार्मास्युटिकल्स साइंसेज विभागाध्यक्ष व सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने शिरकत की।

नई शिक्षा नीति में देश अनुसंधान, विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तैयार

उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और आईपीआर नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। वक्ता डॉ. राहुल तनेजा (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशालय, हरियाणा सरकार) ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की। संगोष्ठी के कन्वीनर डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. अलका भारती, विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत के लिए किया जागरूक

गोहाना। खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह (बीपीएस) महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर के छठे दिन नशा मुक्त भारत में युवाओं की भूमिका के बारे में स्वयंसेवकों ने जागरूक किया। प्राचार्य सुमिता सिंह ने बताया कि एनएसएस की प्रत्येक इकाई में 50 स्वयंसेविकाएं हैं। शिविर का संचालन तीनों इकाइयों की कार्यक्रम अधिकारी नीलम, बबली एवं शालिनी ने किया। शिविर के दौरान आजादी का अमृत महोत्सव व आत्मनिर्भर भारत पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। शिविर का समापन 20 मार्च को किया जाएगा। संवाद

CITY AIR NEWS
DEDICATED TO LATE SHRI H.R. DHIMAN (JOURNALIST) STRAIGHT FORWARD

Everyday Style@Louis Philippe
Louis Philippe

Hindi News

बीपीएसएमवी में विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया

Girish Saini Mar 19, 2024 09:20

Facebook Twitter

HAMPTON HOMES BUILDING AN AFFORDABLE TOMORROW 300+ FAMILIES STRONG RERA NO.: PBRERA-LDH44-PR0449

खानपुर कलां, गिरीश सैनी: भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के समाज कार्य विभाग द्वारा विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो सुदेश ने इस कार्यक्रम के लिए आयोजक टीम को शुभकामनाएं दीं।

Shop at Louis Philippe Online
Louis Philippe

समाज कार्य विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने बताया कि इस कार्यक्रम की थीम शेड फ्यूचर फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव चेंज रही। उन्होंने सीमित संसाधनों का उपयोग कैसे किया जाए, एसएचजी समूहों के साथ कैसे काम करें और सामुदायिक संसाधन केंद्र का उपयोग करके समुदाय के लोगों का विकास कैसे करें, आदि की जानकारी दी।

डॉ. दीपाली माथुर ने सामाजिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाले तरीकों और तकनीकों के बारे में बताया। डॉ. ज्ञान मेहरा ने जनभागीदारी और स्वदेशी ज्ञान का उपयोग करके समुदाय से जुड़ने की बात कही। सोहनलाल ने समुदाय में बदलाव लाने में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका पर प्रकाश डाला। लुईस ने सामुदायिक संसाधन केंद्र के उपयोग की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने भी विकास के लिए बदलाव संबंधी सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान विभाग के विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: World Social Work Day BPSMV

PREVIOUS ARTICLE
बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है: कुलपति प्रो. सुदेश

NEXT ARTICLE
स्वरचित कविता प्रतियोगिता में अमीषा प्रथम

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

जीवन में सकारात्मकता बेहद जरूरी है: कुलपति प्रो. राजबीर...

सभी बेटियों का जीवन होली के रंगों की भांति रौनक रहे: कुलपति...

राहुल गांधी की किसान न्याय गारंटी घर- घर तक पहुंचाएंगी किसान...

COMMENTS

Name
Email
Comment
I'm not a robot
Post Comment

Never worry about version control again.
Work together in real time with live doc editing.
Google Workspace Sign up

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Centre approves Rs 699 crore project to double-lane Gujarat...

Antim Ardas of Kirpal Singh Dardi on March 17

5th Edition FTCCI HR Awards 2023 Presented for best practices...

Unhealthy diet rich in salt, sugar driving kidney diseases...

5 energizing breakfast recipes for women on the go

FOLLOW US

Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Health
Get your skin and hair Holi-ready with these 6 tips recommended...

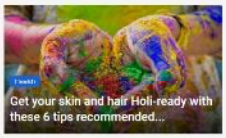

Police seize 'car copter' made with 'jugaad' in UP's Ambedkar...

Lucknow's Jurassic Park nearing completion

5 energizing breakfast recipes for women on the go

FairPoint: Credibility deficit stymies Rahul's new guarantee...

Training aircraft crashes at Guna airstrip in MP, woman...

CONTACT US

For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: Techinformation
Terms & Conditions Privacy Policy

CITY AIR NEWS

Shop at Louis Philippe Online

Hindi News

बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी हैः कुलपति प्रो. सुदेश

बीपीएसएमवी में आईपीआर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित।

Girish Saini Mar 19, 2024 08:43

HAMPTON HOMES 300+ FAMILIES STRONG

खानपुर कलां, गिरीश सैनी। बौद्धिक संपदा अधिकार पर बहु-विषयक शोध तथा इस विषय पर नवाचार एवं उद्यमिता के जरिए ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की नींव रखने का आह्वान भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां की कुलपति प्रो. सुदेश ने मंगलवार को आईपीआर सेल तथा विधि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित - इनोवेशन एंड एक्वीजिशन: आईपीआर रेजिमे एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में किया।

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के बारे में जागरूकता बेहद जरूरी है। ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के इस दौर में सरकार नवाचारों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वैश्वीकरण में तेजी से वृद्धि और भारत में नई संभावनाओं के बनने के साथ, बौद्धिक संपदा वर्तमान युग में प्रमुख धन चालकों में से एक बन गई है। कुलपति ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश अनुसंधान एवं विकास व नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पूर्णतया तैयार है।

कुलपति प्रो. सुदेश ने इस संगोष्ठी आयोजन की सराहना करते हुए आयोजक टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी और कहा कि इससे विद्यार्थियों को आईपीआर को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बौद्धिक संपदा अधिकारों का सही प्रयोग कर विद्यार्थी अपने शोध व रचनाओं को सुरक्षित कर सकते हैं।

हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा प्रायोजित इस संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स पर्सन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के फार्मास्यूटिकल साइंसेज विभागाध्यक्ष व सेंटर फॉर आईपीआर स्टडीज के निदेशक प्रो. हरीश दूरेजा ने शिरकत की। उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकारों बारे विस्तार से जानकारी दी और आईपीआर नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डाला। वक्ता डॉ राहुल तनेजा ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न आयामों पर विस्तृत चर्चा की।

प्रारंभ में विधि विभाग की अध्यक्षा डॉ सीमा दहिया ने स्वागत संबोधन किया तथा मुख्य अतिथि एवं वक्ताओं का परिचय दिया। इस संगोष्ठी के कन्वीनर डॉ प्रमोद मलिक ने कार्यक्रम की विषय वस्तु की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अलका भारती द्वारा किया गया। विभाग की छात्रा रुपल ने मंच संचालन किया। इस दौरान विभिन्न संकायों के डीन, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

Tags: Awareness about IPR | Intellectual Property Rights | VC Prof Sudesh

PREVIOUS ARTICLE
इंटरनेशनल बिजनेस मॉडल प्रदर्शनी में पूर्वी, प्रिया व रानू की टीम प्रथम

NEXT ARTICLE
बीपीएसएमवी में विश्व सामाजिक कार्य दिवस मनाया गया

WHAT'S YOUR REACTION?

LIKE	LOVE	FUNNY	ANGRY	SAD	WOW
0	0	0	0	0	0

RELATED POSTS

जीवन में सकारात्मकता बेहद जरूरी है: कुलपति प्रो. राजबीर...

सभी बेटियों का जीवन होली के रंगों की भांति रौनक रहे: कुलपति...

राहुल गांधी की किसान न्याय गारंटी घर-घर तक पहुंचाएंगी किसान...

COMMENTS

Name

Email

Comment

I'm not a robot

Post Comment

THURSDAY 21ST OF MARCH 2024 10:18:51 AM

Never worry about version control again.
Work together in real time with live doc editing.
Google Workspace Sign up

POPULAR POSTS

Weekly Posts

Centre approves Rs 699 crore project to double-lane Gujarat...

Antim Ardas of Kirpal Singh Dandi on March 17

5th Edition FTCCI HR Awards 2023 Presented for best practices...

Unhealthy diet rich in salt, sugar driving kidney diseases...

5 energizing breakfast recipes for women on the go

Never worry about version control again.
Work together in real time with live doc editing.
Google Workspace Sign up

FOLLOW US

Facebook Twitter Pinterest Linkedin Youtube Email

RECOMMENDED POSTS

Get your skin and hair Holi-ready with these 6 tips recommended...

Police seize 'car copter' made with 'jugaad' in UP's Ambedkar...

Lucknow's Jurassic Park nearing completion

5 energizing breakfast recipes for women on the go

FairPoint: Credibility deficit stymies Rahul's new guarantee...

Training aircraft crashes at Guna airstrip in MP, woman...

CONTACT US

For advertisement, news, article, feature etc please contact us: cityairnews@gmail.com

© 2020 Cityairnews - All Rights Reserved. Designed & Developed By: TechieFormation